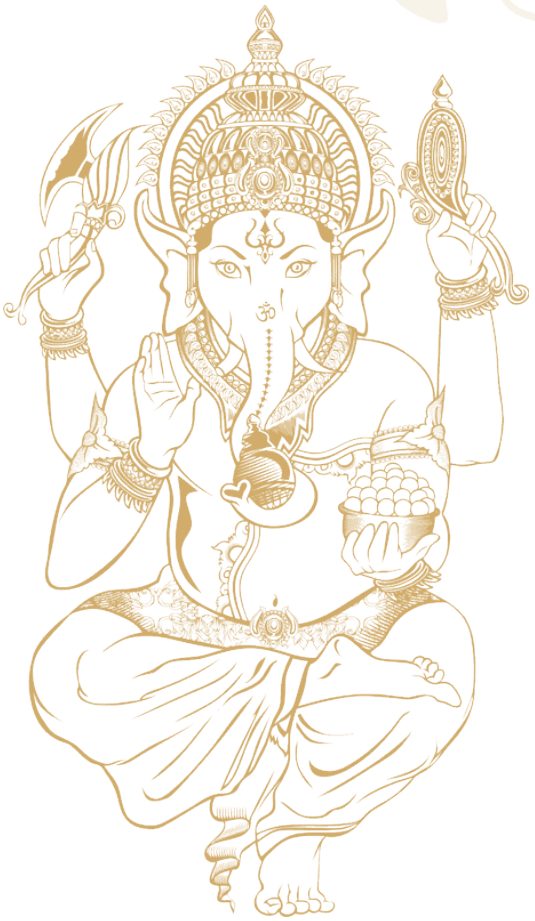

???

17 Oct 1994

10:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121693703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:17:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:43 घंटे
सूर्योदय	06:23:04 घंटे
सूर्यास्त	17:49:47 घंटे
दिनमान	11:26:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:18:27 तुला
लग्न के अंश	16:52:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:52:43	317:37:02	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	00:18:27	00:59:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मीन	10:19:25	12:12:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	13:22:04	00:31:49	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध	व	अ	तुला	08:00:14	01:05:17	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			तुला	24:40:40	00:12:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		तुला	23:49:20	00:10:48	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:19:46	00:02:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:04:16	00:02:54	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:04:16	00:02:54	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:42:19	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:50:57	00:00:30	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:53:20	00:02:06	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	04:13:51	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:15

लग्न-चलित

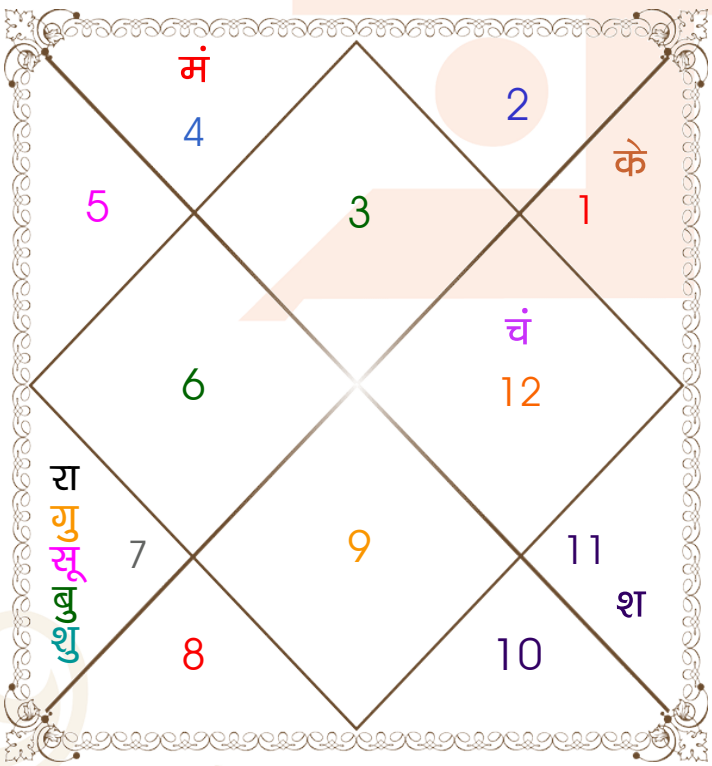

चन्द्र कुंडली

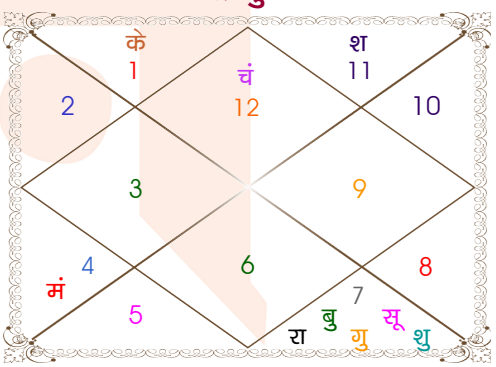

नवमांश कुंडली

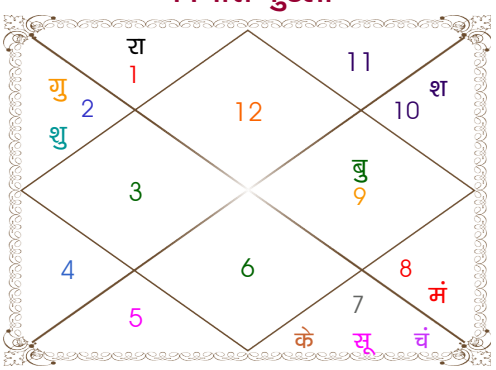

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 0 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/10/1994		01/11/2003		31/10/2020		01/11/2027		01/11/2047	
01/11/2003		31/10/2020		01/11/2027		01/11/2047		31/10/2053	
	00/00/0000	बुध	30/03/2006	केतु	29/03/2021	शुक्र	02/03/2031	सूर्य	18/02/2048
	00/00/0000	केतु	27/03/2007	शुक्र	29/05/2022	सूर्य	02/03/2032	चंद्र	19/08/2048
	17/10/1994	शुक्र	25/01/2010	सूर्य	04/10/2022	चंद्र	31/10/2033	मंगल	25/12/2048
शुक्र	23/10/1994	सूर्य	01/12/2010	चंद्र	05/05/2023	मंगल	01/01/2035	राहु	19/11/2049
सूर्य	04/10/1995	चंद्र	02/05/2012	मंगल	01/10/2023	राहु	31/12/2037	गुरु	07/09/2050
चंद्र	05/05/1997	मंगल	29/04/2013	राहु	19/10/2024	गुरु	31/08/2040	शनि	20/08/2051
मंगल	14/06/1998	राहु	16/11/2015	गुरु	25/09/2025	शनि	01/11/2043	बुध	25/06/2052
राहु	20/04/2001	गुरु	21/02/2018	शनि	04/11/2026	बुध	01/09/2046	केतु	31/10/2052
गुरु	01/11/2003	शनि	31/10/2020	बुध	01/11/2027	केतु	01/11/2047	शुक्र	31/10/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/10/2053		01/11/2063		01/11/2070		31/10/2088		01/11/2104	
01/11/2063		01/11/2070		31/10/2088		01/11/2104		00/00/0000	
चंद्र	01/09/2054	मंगल	29/03/2064	राहु	14/07/2073	गुरु	19/12/2090	शनि	05/11/2107
मंगल	02/04/2055	राहु	17/04/2065	गुरु	07/12/2075	शनि	02/07/2093	बुध	15/07/2110
राहु	01/10/2056	गुरु	23/03/2066	शनि	13/10/2078	बुध	08/10/2095	केतु	24/08/2111
गुरु	31/01/2058	शनि	02/05/2067	बुध	02/05/2081	केतु	12/09/2096	शुक्र	18/10/2114
शनि	01/09/2059	बुध	28/04/2068	केतु	20/05/2082	शुक्र	14/05/2099		00/00/0000
बुध	30/01/2061	केतु	25/09/2068	शुक्र	20/05/2085	सूर्य	03/03/2100		00/00/0000
केतु	01/09/2061	शुक्र	25/11/2069	सूर्य	14/04/2086	चंद्र	03/07/2101		00/00/0000
शुक्र	02/05/2063	सूर्य	02/04/2070	चंद्र	14/10/2087	मंगल	09/06/2102		00/00/0000
सूर्य	01/11/2063	चंद्र	01/11/2070	मंगल	31/10/2088	राहु	01/11/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।